

18/12/24

पत्रावली भेजा हुई। कठिन कारी अथवा  
वर्ष की ओर ये कोई धारणा नहीं  
है। बार-बार आवाज लगाने की  
बाग़सुद आवाज से भी कोई धारणा  
नहीं आया है। कला वही का वादका  
असल पैरवी असल धारणा के अतिरिक्त  
विषय जाना है। पत्रावली केवल सुभार  
द्वारा नभर से कहेंगे।

